सही समझ व सही प्रयत्न :

योगवासिष्ठ से लिए गए उद्धरण

योगवासिष्ठ, भारत का एक अत्यन्त सम्मानित शास्त्र है। इस ग्रन्थ में ऋषि वसिष्ठ, श्रीराम द्वारा पूछे गए जीवन के स्वरूप तथा माया से परे जाकर आत्मज्ञान की प्राप्ति के उपाय विषयक प्रश्नों के उत्तर में श्रीराम को उपदेश देते हैं।

वर्ष २०१८ के लिए श्रीगुरुमाई के सन्देश — 'सत्संग' के विषय में अपनी समझ व अभ्यास को समृद्ध करने हेतु, योगवासिष्ठ में से इन उद्धरणों को पढ़ने व इन पर मनन करने के लिए आप आमन्त्रित हैं। हर एक उद्धरण सत्य की संगति में रहने का एक साधन है।

© २०१८ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।